[डा० बापू कालदाते]
टेंडर 1989 में मंजूर करते तो दो काम हो जाते। एक काम यह हो जाता कि आपके हाथ में नये इंजिन आ जाते और टैक्नीकल नो-हाऊ की आपने बात की थी टैक्नीकल नो-हाऊ उनसे ले लेंगे। दोनों काम शुरू हो जाते और जो अब देर लगेगी, उस देर से आप बच जाते। इतना ही नहीं, कीमत में भी बच जाते।

हमने जो जानकारी प्राप्त की है, उसके मुताबिक अब बीस इंजिन जो आप फ्रेट के लिए, माल ढोने के लिए करने वाले हैं, इनके लिए आपको 190 मिलियन डालर्स आर रेक्वायर्ड नाऊ और जो 10 इंजन आप पैसेंजर्स के लिए, यात्रियों के लिए ले रहे हैं उसके लिए, 180 मिलियन डालर की आपको आवश्यकता है। इसका मतलब यह हो गया कि आपको 300 मिलियन डालर की जरूरत होगी। अगर यह फैसला 1988-89 में हो जाता तो यह हाफ प्राइस, में मिलते क्योंकि 80 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक दाम बढ़ गए, यह हमारी जानकारी है, इसका मतलब है, सर You yourself have lost it. अब आप अपनी गलतियों का बोझ लोगों के ऊपर क्यों डाल रहे हैं? क्यों देरी हुई, इस देरी में कौन लोग हैं? Have you not got any methodology to avoid delay? आप ए०डी०बी० के पास गए। उन्होंने आपको कर्जा देना स्वीकार किया। एक्जिम जापान के पास गए, उन्होंने भी कर्जा देना मंजूर कर दिया और आपने 6 साल गंवा दिए जिसके कारण इंजनों के दाम दुगुने बढ़ गए। अब दाम दुगने बढ़ने की जिम्मेदारी यात्रियों की नहीं है। दाम दुगुने बढ़ने की जिम्मेदारी जो माल रेल से भेजते हैं उनकी नहीं इसलिए आपकी डिले का परिणाम हम लोगों को क्यों भुगतना पड़े है Why should we suffer for your delay, your inability to take the decision, inability to implement the decision, inability and confusion among the Planning Commission, the Railway Ministry, the Finance Ministry, the Finance Commission, So many things are there. I don't understand this. So, it is unjust.

भी कहता हूं कि अगर आप जाना चाहते हैं नए इनमें तो यह जो डिले आप करते हैं जिसके कारण कास्ट बहुत बढ़ता जाता है उसको कम करने का भी आपको प्रयास करना चाहिये। दूसरी बात हमने कही है।

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): The Home Minister has come. Now the Home Minister will make the statement.

STATEMENT BY MINISTER

VIDEO CASSETTES RELATING ASSASSINATION OF RAJIV GANDHI

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN): Mr. Vice-Chairman, Sir, I rise to make this statement in regard to video cassettes relating to the assassination of late Shri Rajiv Gandhi.

The Special Investigating Team of the CBI which is investigating the case has so far seized 467 video cassettes, one of which was found to be brand new and unused. The remaining 466 cassettes have been viewed and are still being viewed by a team of investigating officers for identifying the frames that could be relevant to the case.

So far, the SIT has been able to seize only two video cassettes covering the public meeting at Sriperumbudur on May 21, 1991 prior to the assassination. One video cassette was videographed by one Babu who had been engaged to do so by Shri A. J. Dass, the organiser of the public meeting at Sriperumbudur on May 21, 1991. This cassette covers the function before the arrival of late Shri Rajiv Gandhi at Sriperumbudur. It shows a music performance being rendered for the audience by Shanker Ganesh and party and thereafter, an announcement by Shri A. J. Dass on the garlanding and presenting of shawls to Shri Rajiv Gandhi. The cassette then shows in a blurred manner a crowd milling around Shri Rajiv Gandhi and some shawls being put

around him. The cassette then becomes totally blurred and thereafter shows Doordarshan coverage on the funeral, etc. that was subsequently recorded by the videographer.

All the connected persons including the videographer have been examined thoroughly and so far there is no evidence that the cassette was tampered. The SIT is also obtaining technical expert opinion from abroad on whether the cassette was tampered with any way.

The second cassett was videographed by one Pavun Raj who had been engaged by the Tamilnadu Congress Committee (I) for the same. This cassette covers the interview of Shri Rajiv Gandhi at Madras airport, the public meetings thereafter at Porur and Poonamallee and his arrival at the Sriperumbudur public meeting. At Sriperumbudur, the cassette covers the music programme of Shanker Ganesh and party and stops at this point. As regards this cassette also, all the connected persons, including the videographer have been thoroughly examined and so far there is no evidence to show that this cassette was tampered with. However, expert opinion on this cassette also is being obtained.

The SIT has stated categorically that both these cassettes are now Court property and have not been tampered with at all after they were seized by the SIT.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, is clarification permitted?

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): No.

THE BUDGET (RAILWAYS), 1992 93—Contd.

डा बापू कालदाते : मै दूसरी बात की तरफ भी ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि जहां से आप पैसे, जमा कर सकते हैं, आपकी किताब में जो लिखा है पेज 94 पर, सोशल कास्ट वाला मामला है। आप खुद लिखते है उस किताब में कि सोशल कास्ट दो हजार करोड़ तक बढ़ गयी है। वह तो बढ़ेगी ही, लेकिन क्या सोशल कास्ट का सारा बोझ रेलवे के ऊपर डालना आवश्यक है ? आपने खुद लिखा है कि यूनाइटेड किंग्डम में क्या होता है, जर्मनी में क्या होता है, स्विटजरलैण्ड में क्या होता है, फ्रांस में क्या होता है ? अगर फ्रांस में कुछ होता है इंग्लैण्ड में कुछ होता है, उसका अंश सरकार के अलग-अलग विभाग लेते हैं तो क्या यह जरूरी है कि भारत में सारा-का-सारा बोझ आपके ऊपर डालें ? अब मैं बताता हूं कि जीवन की आवश्यक चीजें हैं, वह अगर ट्रेन से जायेंगी तो इसका मतलब है कि आपने वह सोशल कास्ट अपने ऊपर उठाई है, लेकिन क्या यह सोशल कास्ट उस डिपार्टमेंट या पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन डिपार्टमेंट की जिम्मेदारी नहीं है ? सारी सोशल कास्ट की जिम्मेदारी रेलवे पर थोपना गलत है। अगर आप थोड़ा-बहुत भी इन जिम्मेदारियों से रिहा हो जायें तो बार-बार लोगों के ऊपर दाम दुगने बढ़ाने की नौबत जो आती है, वह न आए। लेकिन उपसभापति महोदय, मैं यह देख रहा हूं कि—

The Railway Ministry is not serious about it. खाली लिखने से क्या होगा ? आप किताब में भले ही लिख दीजिए कि दुनियां भर में यह होता है। आप क्यों नहीं करते ? अगर आप इस मंत्रालय का काम देखते हैं और दुनियां का हवाला देते हैं तो हम आपसे पूछते हैं कि दुनिया का हवाला देने के बजाय आप उस सोशल कास्ट कम करने की दृष्टि से देखें तो आप करोड़ों रुपया बचा सकते है। इस तरफ भी आपको ध्यान देना होगा।

New types of resources generation are most essential. The only source you are utilising is raising the freights and passenger fares.

इससे तो काम नहीं चलेगा। अब स्टीम इंजन की बात आती है, मैं तो इसमें आपसे खुश हूं।

PROF. SAURIN BHATTACHARYA: Just one minute, Sir. On the statement of the Home Minister;....

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): That stage is over.